जीवन में शिक्षा व सेवा भाव दोनों का होना जरूरी है-राज्यपाल 11-4-2017

हिसार 11 अप्रैल शिक्षा व उच्च संस्कारों को ग्रहण कर व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है और साथ ही दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनकर उनका मार्ग प्रशस्त भी करता है।

यह बात हरियाणा के महामहिम राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने आज एचएयू के आईजी ऑडिटोरियम में बेबी सुधा रानी मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा बेबी सुधा की याद में आयोजित ग्रामीण उच्चतम शिक्षित युवा सशक्तिकरण सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट के चेयमैन एवं पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल सिंह ने की।

राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का मतलब पढना-लिखना और हिसाब लगाना ही नहीं है, अपितु शिक्षा के आधार पर अपने अंदर मानवता व संवेदनशीलता का भाव भी पैदा करना आवश्यक है। मानव के रूप में पैदा होना उसके हाथ में नहीं परन्तु पैदा होकर मानव बनना मनुष्य के हाथ में अवश्य है। मानव पैदा होकर मानवीयता व संवेदनशीलता भाव के साथ एक दूसरे की मदद करना ही मानवता है। शिक्षा ही वह चीज है, जो हमें जन्म के बाद वास्तव में मानव बनाती है। शिक्षा से ही संस्कारों को जानने, मानवता एवं दैवीय गुण उत्पन्न होते हैं। उन्होंने संत विनोवा भावे के एक दृष्ठांथ उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वे एक दिन मौन धारण किए हुए थे, तो उनके पास ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के कुछ लोग मिलने आए, तो उन्होंने स्लेट पर लिखकर कुछ संदेश दिया और कहा कि गत्ते से भारत बनाओ। शहरी क्षेत्र से आए पढे लिखे व्यक्तियों ने गत्ते को फाड़कर भारत का नक्शा बनाना शुरू किया, परन्तु उनसे बना नहीं। तत्पश्चात ग्रामीण लोगों को नक्शा बनाने के लिए कहा तो उन्होंने उन गतते के टुकड़ों को जोड़कर बना दिया। इस पर शहरी क्षेत्र के लोगों ने उनसे पूछा कि तुमने यह कैसे बना दिया, उन्होंने कहा कि जो गत्ता आपने फाड़ा उस गत्ते के पीछे किसी आदमी का चित्र बना हुआ था और हमने उसी चित्र को देखकर टुकड़ों को जोड़ दिया। लोगों से ऐसा करवाने के पीछे विनोभा का संदेश था कि आज हमारे पास सबकुछ है, परन्तु वैसे आदमी नहीं है, जैसे हमें चाहिए। यदि देश के 125 करोड़ लोग सही दिशा में एक-एक कदम बढाते हैं, तो देश 125 करोड़ कदम आगे बढेगा। यदि आज वास्तव में ही आदमी बनाना चाहते हो तो उसके लिए शिक्षा चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में गर्वन का अर्थ शासन करना नहीं अपितु इसका सही अर्थ सेवा करना है। संस्कार और सेवा भाव के होने में शिक्षा की अहम भूमिका होती है, इसलिए मानवीय जीवन में शिक्षा एवं सेवा भाव दोनो का होना महत्वपूर्ण है। बेबी सुधा रानी मैमोरियल ट्रस्ट ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा और सेवा का भाव जागृत करके एक महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे सही मायने में पढलिखकर सम्पूर्ण मानव बनें और चहु और सुख शांति स्थापित करने में अपनी भूमिका निभाएं। गांव को अच्छा बनाने के लिए शिक्षा और संस्कार दोनों जरूरी है। मां-बाप और अभिभावकों को चाहिए कि वो अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं और प्रदेश को शतप्रतिशत शिक्षित बनाएं। उन्होंने कहा कि इंसान कितना जीता है यह महत्वपूर्ण नहीं है, परन्तु जीतने दिन जिया, उस दौरान लोगों की भलाई के लिए क्या किया यह महत्वपूर्ण है। रविन्द्र नाथ टैगोर कहते थे कि यदि सच्चे अर्थों में भारत को जानना है, तो स्वामी विवेकानंद को जानों, जिसने अल्प आयु में ही पूरे विश्व में भारत का ढंका बजा दिया था।

बेबी सुधा रानी मैमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण मानव बनने के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य जीवन के दो मूलभूत आधार हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य ही मानव को उच्च मनोबल प्रदान करता है। यह ट्रस्ट सम्पूर्ण व्यक्तित्व को बढाने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित कर रहा है। बेबी सुधा की याद में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य कैंप, शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने वाले शिविर, व्यक्तित्व एवं मानव विकास, अध्यात्मवाद जैसे सामाजिक सरोकार के कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की साक्षरता दर 76 प्रतिशत है, जबकि केरल की 94 प्रतिशत है। हम चाहते हैं कि केरल की तरह ही हरियाणा की साक्षरता दर शतप्रतिशत हो, जिससे एक शिक्षित व संस्कारवान प्रदेश का निर्माण हो सके। इसके अलावा बेटी बचाओ-बेटी पढाओ के क्षेत्र में भी यह ट्रस्ट काम कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ शहरी क्षेत्र के युवाओं को भी शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। ट्रस्ट चाहता है कि ये मुहिम जिले से बाहर निकलकर पूरे प्रदेश व देश में जाए। यदि हम पूर्ण रूप से शिक्षित होंगे, तो हमारी संस्कृति व सभ्यता भी आगे बढेगी और रिश्तों की अहमियत बढेगी। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में हरियाणा प्रदेश की पढीलिखी पंचायतें दूसरे राज्यों के लिए रोल मॉडल का काम कर रही हैं और हरियाणा के

गठन के बाद इतना बड़े बदलाव केवल शिक्षा के कारण ही संभव हो पाया है और जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व को जाता है।

इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल ने ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतम शिक्षित युवाओं व अन्य क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। बेबी सुधा रानी का जीवन परिचय बढकर सुनाया गया। समारोह को एसचएयू के वाईस चांसलर डा. के.पी सिंह आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल के सचिव डा. अमित अग्रवाल, जीजेयू के वाईस चांसलर प्रो. टंकेश्वर, लुआस के वाईस चांसलर प्रो. गुरूदयाल सिंह, उपायुक्त निखिल गजराज, पुलिस अधीक्षक आर.के मीणा सहित बीजेपी जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र पुनियां, जिला महामंत्री आशा खेदड़, सीमा गैबीपुर, अरूण दत, प्रो. छत्रपाल की माता सुनहरी देवी, श्रीमती पतासो देवी, जिला परिषद रोहतक चेयरमैन बलराज सिंह कूण्डु सहित जिला हिसार के ग्रामीण क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थि थे।

मैमोरियल ट्रस्ट, हिसार (हरियाणा)
के 47वें जन्म दिवस 11 अप्रैल 2017 के उपलक्ष्य पर आयोजित
मुख्य अतिथि:-
माननीय राज्यपाल, हरियाणा
प्रो. छत्रपाल सिंह पूर्व मन्त्री
बेबी सुधा रानी मैमोरियल ट्रस्ट

रानी मेमोरियल ट्रस्ट, हिसार (हरियाणा)
के 47वें जन्म दिवस 11 अप्रैल 2017
शिक्षित युवा सशक्तिकरण सम्मान